राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र
तेलंगाना राज्य केंद्र
हैदराबाद

एनआईसी हैदराबाद में विश्व पर्यावरण दिवस समारोह

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2023 को एनआईसी हैदराबाद में मनाया गया। एनआईसी के सभी कर्मचारी आउटसोर्स सहित सारे कर्मचारियों इस कार्यक्रम में भाग लेने का अनुरोध किया गया था।

प्रतिभागियों को 'विश्व पर्यावरण दिवस' की मुहर के साथ ताजा पत्ती बैज दिए गए। यह एक नया विचार था जिसमें पत्तियों का उपयोग बैज के रूप में किया जाता है, प्रकृति को दर्शाता है और कम से कम कार्बन पदचिह्न के साथ भी बनाया जाता है। स्टाम्प का उपयोग कहीं भी और कभी भी किया जा सकता है।

5 जून 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस का विषय बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन था, जो प्लास्टिक प्रदूषण के कारण समाधान पर केंद्रित था। दुनिया प्लास्टिक की चपेट में है। हर साल 40 करोड़ टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से आधे को केवल एक बार उपयोग करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

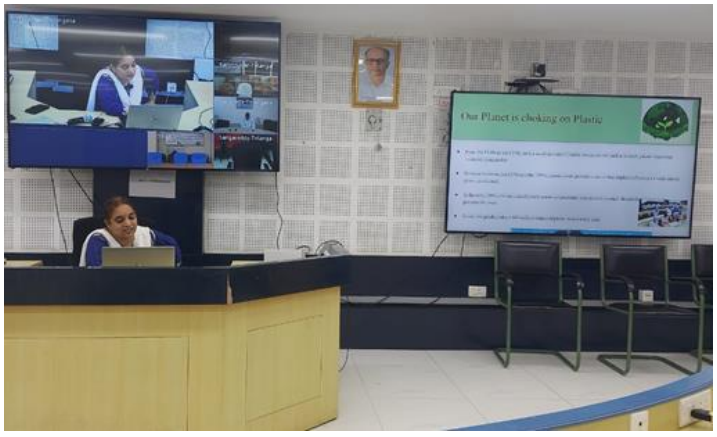

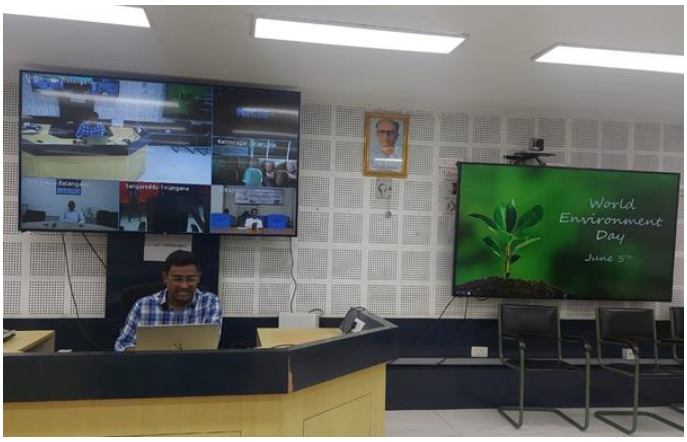

श्री बी सीता महालक्ष्मी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस मनाने के कारण पर प्रस्तुतियां दी गईं और प्रदूषण की सीमा और मानव जाति पर हानिकारक प्रभावों पर श्री बापूजी नक्का द्वारा एक और प्रस्तुति दी गई।

बैठक में विभिन्न पहलों पर चर्चा की गई जिनके द्वारा लोग और संगठन पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे सकते हैं।

एन. आई. सी. हैदराबाद में एक अनूठी पहल "एन. आई. सी. क्रॉकरी बैंक" शुरू की गई है। लगभग 100-200 टुकड़े, प्रत्येक स्टील प्लेट, पीने के पानी के गिलास, कांच के कटोरे (आइसक्रीम और मिठाई व्यंजन परोसने के लिए) और चाय/कॉफी कप कर्मचारियों से स्वैच्छिक योगदान के साथ खरीदे गए थे। इनका उपयोग कार्यालय में और (नियमित और आउटसोर्स) एनआईसी के कर्मचारियों के आवासों में किसी भी कार्यक्रम के लिए किया जा सकता है। इन वस्तुओं को मुफ्त में लिया जा सकता है, लेकिन उन्हें सुरक्षित रूप से वापस किया जाना चाहिए। इस तरह के प्रयास यह सुनिश्चित करते हैं कि कम कचरा उत्पन्न हो और यह पर्यावरण संरक्षण के लिए एक छोटा सा समाधान है जो धरती मां को खुश करता है।

फरवरी 2023 में एन. आई. सी. हैदराबाद में एक गलियारा उद्यान शुरू किया गया था जिसमें कचरे के लकड़ी के सर्वर बॉक्स को कंटेनर के रूप में रखा गया था। पत्तेदार सब्जियाँ उगाई गईं और लगभग 50 एन. आई. सी. कर्मचारियों को वितरित की गईं।

कर्मचारियों को कचरे को कम करने के छोटे-छोटे उपाय बताए गए जैसे कि इस्तेमाल किए गए बॉल पॉइंट पेन को एकत्र किया जा सकता है और उन्हें कचरे के रूप में निपटाने के बजाय पुन: उपयोग के लिए रिफिल के साथ लगाया जा सकता है, खरीदारी के लिए कपड़े/जूट के बैग लेकर दुकानदारों द्वारा पेश किए जा रहे प्लास्टिक बैग को अस्वीकार कर सकते हैं। खाने का सामान आदि खरीदने के लिए टिफिन बॉक्स/कैसरोल ले जाए। लोगों को कार्यालय परिसर में प्लास्टिक की थैलियों में सामान लाने से रोकने के लिए सामूहिक रूप से सहमति हुई। यह भी अनुरोध किया गया कि कार्यालय में डिस्पोजेबल पेपर कप में चाय/कॉफी परोसना बंद करें, इसके बजाय पुन: प्रयोज्य सिरेमिक कप का उपयोग करें।

एनआईसी हैदराबाद में हाल ही में एक विदाई पार्टी में, इस बात का ध्यान रखा गया था कि स्मृति चिन्ह आदि को इन पेपर कवर में पैक किया गया था, यहां तक कि फूलों के गुलदस्ते को प्लास्टिक के रैपर के बजाय मोटे कागज में लपेटा गया था। फूलों के गुलदस्ते की दुकानों को प्लास्टिक की कवर को कागज की कवरों से बदलने के लिए राजी करना पड़ा।

कुछ पौधे इस्तेमाल की गई पानी की बोतलों में लगाए गए थे।